

(i) हिन्दी व्याकरण



✓ 1. शब्द

⇒ 2. तत्त्व और तद्भव

3. लिंग

4. वाक्य अशुद्धियाँ (सामान्य अशुद्धियाँ)



(i) वाक्य अशुद्धि

(ii) वर्तनी अशुद्धि

तत्सम शब्द की पहचान शॉर्ट ट्रिंक के साथ -

① कुट्ट बौर्ण का प्रयोग आधिकाशतः संस्कृत के शब्दों अर्थात् तत्सम शब्दों में किया जाता है -

क्ष, त्र, स, क्ष, घ, च, श, ष, ण

क्षीप्र, दात्र, विशान्, श्रीमान्, विद्या, सूर्य, इक्षुर, षण्मास, विष्णु

② आद्ये व्यंजन (स्वर रहित व्यंजन) बोले अधिकांशः शब्द - ११.१%

अग्नि, कर्ण, ग्रह, गृह, स्वर, शम्भू, उद्यम
ग् र् ग्+र ग्+र स् श्+र द्+द

अपवाद - हृदि चिह्न चिह्न $\Rightarrow$ तद्वन् शब्द

③ जिस शब्द में दो व्यंजन एक जैसे या अलग-2 हो परन्तु दोनों मिले एक साथ गये हो -

प्रकाश, प्रार, उद्ग, अद्वैतिका, गङ्गा, लिङ्गा
प+र प+र द+द ट+ट ड+ग ड+ग

वर्ग - क, ख, ग, घ, (ङ)

④ विसर्ग चिह्न (ः) वाले शब्द -

प्रातः काल, पुनः जागृत, अतः एवम्, निःशुल्क, निःशब्द, प्रायः।

⑤ अनुस्वार चिह्न (ं) वाले शब्द -

संसार, संदेह, मंत्रम्, संख्या, स्वयं, संविधान, संपन्न

⑥ इलत चिह्न (।) वाले शब्द -

पाठ्य, वरन्, शूल्यवान्, परिषद्, विराट्, सम्राट्, राजन्, विद्वान्, द्वारा

गद्य, पद्य, विदुषा, विदुषालय ।

⑦ जिस शब्द का प्रत्यय वर्ण 'ण' हो -

पुराण, रात्राण, लक्षणा, कुक्ष्यकराण, विश्वीयाण, पर्यावरण, विष्णु

⑧ जिस शब्द में कृ(टि) का प्रयोग मात्रा के रूप में हो -

कृष्ण, कृपया, कृपा, तृण, पितृ, मातृ, पितृण, मृत, मृत्यु

⑨ जटिल, कठिन बर्तनी व उच्चारण वाले शब्द -

शुभाषा, उज्ज्वल, अन्धोक्षि, सुभ्रत, श्वसुर

10. संस्कृत के उपसर्ग से बनें शब्द - 22 उपसर्ग

आ - आजन्म, आहरण	प्र - प्रयोग, प्रवास	दुः - दुःचिन्ता
अति - अत्यन्त, अति उत्तम	पर - पराक्रम, पराभव	दुः - दुर्दिशा
अधि - अध्यक्ष, अधिभार	परि - परिवरण, परिवर्तन	दुः - दुःसाहस
अन् - अनुचित, अनन्त	सु - सुपुत्र, सुसाधन	दुः - दुश्चरित्र
अप - अपमान, अपकर्ष	कु - कुपत्र, कुसंगीत	दुः - दुष्परीक्षण
अव - अवमानना, अवसर	उप - उपवन, उपमान	
अभि - अभ्युदय, अभिमान	सम् - सम्भार, संस्कृत	

11. संस्कृत के प्रत्यय से बनें शब्द -

कृत्वा	तुमुन्	अनीयर्	ल्यप्	कृत	शानच्
↓	↓	↓	↓	↓	↓
गात्वा	पठितुम्	पूजनीय	विज्ञाय	हात	बुद्धिमान

12. संस्कृत की क्रिया (धातु) से बनें शब्द -

गम	पठ	पूज	ज्ञा	हा
↓				
जाना	पढ़ना	पूजा	जानना	होना

1. क्रीड् - क्रीडति - खेलना
2. खेल् - खिलाड़ी - हिंदी
3. प्ले - प्लेयर - प्रेमी

13 जिन शब्दों का तद्भव रूप भी है -

तत्सम → घृत, हरिद्रा, कपोत, जपूर, उष्ट्र, महिष, सूर्य, रात्रि
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓

तद्भव → घी, हल्दी, कबूतर, मोर, ऊँट, बैल, राज, रात

14 जिन शब्दों का प्रयोग दैनिक जीवन या वर्तमान में बहुत कम है -

तत्सम → दिवा, हरिद्रा, घृत, जलक, स्थाली, रात्रि, क्षेत्र, क्षीर
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓
तद्भव → दिन, हल्दी, घी, गिल्ला, थाली, रात, रैन, खीर

⑮ वेदशास्त्र, पुराण, रामायण, महाभारत आदि संस्कृत ग्रन्थों में
वैदिक संस्कृत (मंत्र) लौकिक संस्कृत (श्लोक) का प्रयोग हुआ है -
मंत्र व श्लोक में प्रयुक्त शब्द तत्सम हैं -

सविता, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, मार्कण्डेयपुराण,
शिवपुराण, विश्वामित्र, दशरथ, राम, लक्ष्मण, भारत सुग्रीव, सीता
पुष्पकिंठर, श्रीराम, कृपाचार्य, धृतराष्ट्र, द्रोणाचार्य, दुश्शानन, दुर्योधन ।

तद्भव शब्द -